स्तूप *m.* (r. स्तूप् s. अ) cumulus. Am.

1. स्तृ 5. et 9. *P. A.* स्तृणोमि, स्तृण्वे, स्तृणामि, स्तृणे. 1) sternere, expandere. Rigv. V. 43.2.13.5.: स्तृणीत बर्हिर् अध्वराय (v. Westerg.). 2) tegere. Ragh. 4.63.: तेषां शिरोभिः श्मश्रुलैर् महीन् तस्तार; 7.55.: तस्तार गाम् ... शिरोभिः. (Vid. स्तॄ, gr. στόρνυμι = स्तृणोमि, lat. *sterno* = स्तृणामि, v. gr. comp. 496.; goth. *strauja* sterno; slav. *str-je-ti* extendere, *pro-stir-a-ti* id., *pro-stran* spatiosus = प्रस्तीर्ण; *po-stl-a-ti* sternere, *po-stelja* lectus, *prje-stol* thronus, lith. *stálas* mensa, vid. Mikl. p. 86.)

c. वि विस्तृत 1) stratus. Nalod. 3.14.: विस्तृता नगा यत्र. 2) latus. M. 16.: त्रियोजनायता वापी विस्तृता चा ऽपि योजनम्.

2. स्तृ *Subst.* stella, *in dial. Vêd.*, v. Rigv. 68.5. (Vid. तारा e स्तारा.)

स्तृच् 1. *P.* (गतौ *K.* गत्याम् *V.*) ire.

स्तृह् 6. *P. i. q.* तृह्.

स्तॄ 9. *P. A.* स्तॄणामि, स्तॄणे. (Propter gr. r. 385. स्तॄ a स्तृ in tempp. special. non distingui potest; si autem in universum radices in ॠ desinentes statuuntur, ad स्तॄ pertinent Gerund. स्तीर्य, Pass. स्तीर्ये, part. स्तीर्ण. Vera verborum स्तृणोमि et स्तृणामि radix est स्तर्, unde स्तृ correpto अर् in ऋ, et स्तीर् mutato अ in ई, v. gr. min. ed. 2. §. 12.) sternere, expandere, extendere.

c. आ 1) sternere, expandere. Mah. 3.15142.: दर्भास्तरणम् आस्तीर्य. 2) tegere. Mah. 2.1155.: कुशैर् आस्तीर्य मेदिनीम्.

c. उप sternere, constituere, parare. Mah. 2.2033.: उपस्तीर्णा सभा.

c. परि sternere, expandere. Mah. 1.6975.: परिस्तीर्य जुहावा ऽग्निम्.

c. वि dispandere, expandere. Hit. 9.8.14.: तेन व्याधेन ... जालं विस्तीर्णम्; Man. 7.33.: विस्तीर्यते यशो लोके. — विस्तीर्ण extensus, magnus. N. 12.112. In. 5.3.10. — *Caus.* expandere. Man. 7.188.: विस्तारयेद् बलम्.

c. सम् 1) sternere, expandere. Mah. 1.7163. In. 5.3. 2) tegere. M. 2.1774.: सभां संस्तीर्य रत्नैः.

स्तॄह् 6. *P. i. q.* स्तृह्.

स्तेन् 10. *P.* furari. Man. 8.333.: यस् त्व् एतानि ... द्रव्याणि स्तेनयेत्; 4.256. (Goth. *STAL* furari, *stila, stal, stêlum*, mutato *n* in *l*, vid. अन्य; gr. στερέω, v. Pott 1.197.)

स्तेन *m.* (r. स्तेन् s. अ) fur.

स्तेय *n.* (r. स्तेन् abjecto न् s. य) furtum. Am.

स्तै 1. *P.* (वेष्टे) vestire, induere.

स्तैन्य *n.* (a praec. s. य) *id.* Am.

स्तोक parvus, paucus. Am. स्तोकम् *Adv.* parum, paulum. Megh. 80. (Cf. lith. *stokóju* careo, egeo.)

स्तोम् 10. *P.* (Denom. a sq.) laudare.

स्तोम *m.* (r. स्तु s. म) laus, hymnus. Rigv. Sp. 16.7.

स्त्यै 1. *P.* (शब्दसङ्घाते *K.* संहतौ ध्वनौ *V.*) sonare, coacervare.

स्त्री *f.* (correptum e सोत्री a r. सु vel सू s. त्र in *fem.*, v. Pott I. 214.; *nom.* स्त्री pro स्त्रीस्, *acc.* स्त्रियम् et स्त्रीम्, v. gr. 168.) femina. Br. 2.12. *Etiam* bestiarum femina, e. c. शाखामृगस्त्री. Dr. 4.4.

स्थ *Adj. in fine compos.* (r. स्था s. अ stare) 1) stans. Dr. 5.15. 2) *saepissime* qui est, versatur, moratur, situs est. N. 1.18.10.1.18.10.24.18.

स्थग् 1. *P.* (संवरणे *K.* संवृतौ *V.*) tegere. Bhatt. 12.69.: स्थगिता रजोभिर् दिशः. (Cf. स्तग्, lat. *tego*, island. vet. *thekja* tegere, germ. vet. *dakjan, dachjan, dechjan* id.)

स्थल् 1. *P.* (स्थाने स्थितौ *V.*, ut videtur, a r. स्था, correpto आ, adjecto ल्, v. पाल्) stare. (Boruss. vet. *stall-i-t* stare; *stall-ē-mai* stamus; germ. vet. *stellêt* collocat = Caus. स्थालयति; lith. *stelloju* «ich bestelle, stelle an»; gr. στέλλω, ἔσταλκα, sensu = Caus. r. स्था praef. प्र; hib. *stalc* «obstinacy, stubborness».)

स्थल *n.* (r. स्थल् s. अ) locus, regio, solum. Megh. 90.104. Lass. 16.4. *Vid. sq.* (Germ. vet. *stal* locus, dat. *stalle*, nostrum *Stall* stabulum.)